लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए फ्रेंच भाषा में प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाषण

(Venue: प्राइड हॉल, संसदीय ग्रंथालय भवन)

- लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए फ्रेंच भाषा में प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर मैं बहुत प्रसन्न हूँ। मुझे इस बात की भी प्रसन्नता है कि सचिवालय द्वारा आरम्भ किये जा रहे इस नयी पहल के प्रति यहां के अधिकारियों ने इतना उत्साह दिखाया है।

- भाषा मानव सभ्यता की सबसे बड़ी उपलब्धि है। हम भाषाओं के बिना अपने अस्तित्व की कल्पना नहीं कर सकते। यह वह माध्यम है जिससे हम स्वयं को पूरी तरह से अभिव्यक्त करते हैं।

- भाषाएं हमें जोड़ने का काम करती हैं। भाषाएं जितनी समृद्ध होती हैं हमारा जुड़ाव भी उतना ही गहरा होता है।

- इसकी तुलना दीपक से भी की जा सकती है। जब दो दीपों की रोशनी आपस में मिलती है, तब प्रकाश दोगुना हो जाता है।

- भाषाओं के मामले में हमारा देश बहुत समृद्ध है। भारतवर्ष सांस्कृतिक और भाषायी विविधता का देश है। वैसे तो हमारे यहां अधिकारिक भाषाएं हैं; परन्तु बोलियां अनेकानेक हैं। **कहा भी गया है कि 'कोस कोस पर बदले पानी, 4 कोस पर बदले वाणी'।** यही विविधता हमारे संसद में भी प्रतिबिंबित होती है। संसद के कार्यकरण में आम तौर पर सभी भारतीय भाषाओं का प्रयोग होता है। इसलिए संसद के अधिकारीगण यदि अपनी भाषा के साथ अन्य भाषाओं में भी प्रवीणता हासिल करें तो यह मात्र उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होगी, बल्कि इससे हमारे सचिवालय की कार्यक्षमता और गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी।

- आप जानते हैं कि संसदीय शिष्टमंडलों के विदेश जाने का क्रम लगा रहता है। IPU और CPA जैसे अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में हमारी नियमित भागीदारी होती है। ऐसे में भाषाओं की समझ इन वैश्विक सम्मेलनों में हमारी भागीदारी के उद्देश्य को और सार्थक बनाएगी।

- संसद जैसे प्रतिनिधि संस्थान के अधिकारी होने के कारण भाषा व्यक्तित्व के निर्माण के साथ ही साथ क्षमता निर्माण का माध्यम बनती है। इस नाते आपको अपनी क्षमता में वृद्धि करने के निरंतर प्रयास करत रहने होंगे।

- आपको याद रखना चाहिए कि आज की दुनिया बड़ी तेजी से बदल रही है और इस तेजी से बदलती दुनिया में अपने आपको प्रासंगिक या Relevant बनाये रखना बहुत बड़ी चुनौती है। इस चुनौती पर विजय प्राप्त करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी ने युवाओं को एक मंत्र दिया था – "Skill, Re-skill और Upskill का मंत्र"।

- Skill का अर्थ है कि आप कोई नया हुनर सीखें। फिर इसे Re-skill करते हुए अपने हुनर में नई नई विशेषताओं का समावेश करें और फिर अपने स्किल को अपग्रेड भी करते रहें।

- इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से आपको Upskill करने का प्रयास किया जा रहा है। आज मैं चाहूंगा कि आप इस बात को आत्मसात कर लें कि स्वयं में और अपने कार्यों में निरंतर सुधार ही आपका लक्ष्य होना चाहिए।

- आप चाहे समिति शाखा में हों, प्रशासन में हों, प्रोटोकॉल में हों या विधायी शाखा में हों, यदि आप इसे अपनी मनोवृत्ति में शामिल कर लें तो स्वयं को कभी अक्षम या असमर्थ नहीं पाएंगे।

- इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए 'प्राइड' की तरफ से लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए विदेशी भाषाओं के प्रशिक्षण का कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। आज इस कार्यक्रम की शुरुआत फ्रेंच भाषा से हो रही है।

- **जैसा कि हम सब जानते हैं कि फ्रेंच भाषा का एक समृद्ध इतिहास रहा है। आज भी यह भाषा यूरोप, उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के कई देशों में बोली और समझी जाती है।**

- **यह संयुक्त राष्ट्र संघ की भी एक आधिकारिक भाषा है। इसी प्रकार, हम आगे भी अन्य महत्वपूर्ण भाषाओं को इस कार्यक्रम से जोड़ते जायेंगे। भारत की विभिन्न भाषाओँ को भी इस कार्यक्रम में जोड़ने का प्रयास किया जायेगा।**

- आज इस अवसर पर मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं चाहता हूँ कि आप इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का पूरा लाभ उठायें और सीखने की प्रक्रिया को यहीं तक सीमित न रहने दें। आप स्वाध्याय करें और स्वयं को एक बेहतर इंसान बनायें और संसद के एक आदर्श कर्मचारी बनें।

- इस प्रकार आप अपनी प्रगति भी सुनिश्चित करेंगे और साथ ही, लोक सभा सचिवालय के बेहतर कार्यकरण में भी अपना योगदान देंगे।

- याद रखिए, ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। अंग्रेजी में कहावत है “Sky is the limit”। तो आप आकाश की ऊँचाइयां प्राप्त करें, अपने ज्ञान से सहयोगियों और सहकर्मियों को भी लाभान्वित करें। ज्ञान के प्रसार से ज्ञान की वृद्धि होती है।

- दीप से दीप जलता है। आइये हम संकल्प लें कि ज्ञान का दीपक अहर्निश प्रदीप्त रहे। आप सभी को बहुत बहुत धन्यवाद।

- जय हिन्द।